

असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 583]

मई विल्लो, शुक्रवार, सितम्बर 4, 1992/मात्र 13, 1914

No. 583]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 4, 1992/BHADRA 13, 1914

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि नंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ती, 4 लितम्बर, 1992

का.आ 658(अ).—केन्द्रीय सरकार ने यह जांत्र जरी की दृष्टि से एक विशेषक समिति गठित की थी कि क्या भारत में कविषय कोटलाशियों के निस्तर उन्होंग में मनुष्यों या पशुओं के जीवन की ऐसे परिसंकट में डाल सकका है िसके सस्कार कोई कार्रवाई करना समाचीन या आवस्यक हो जाए;

और केन्द्रीय संस्कार का उकत विशेषक्ष समिति की सिफारिश पर विवार करन के पश्वात और कीट-नाशी प्रधिनियम, 1968 (1968 का 46) के प्रधीन गठित रिजन्दाकरण समिति से परामर्श करने के परचात यह सभावान हा गया है कि पैराक्युएट-डा-मिशाइल-सल्केट, किताइल मरकरी एमिटेट और अतरण प्रयोग के लिए धुआं पैदा करने वाले लिप्छेन मूलयान का प्रयोग मनुष्यो, पर्भो के स्वास्थ्य के लिए पौर्सकमटय है और पर्यावरण के लिए हानि पैदा करते वाला है,

भतः केन्द्रीय सरकार, कीटनाणी श्रधिनियम, 1968 (1968 का 46) की धारा 29 के साथ पटित धारा 27 की अपधारा (2) द्वारा प्रदक्त गांवनयों का प्रयोग करते हुए, तात्कालिक प्रभाव से निम्नलिद्धित श्रावेण करती है, श्रर्थात ---

- (1) भारत में पैराक्यूट-द्वी-मियाइल संस्केट का प्रयाग प्रतिबद्ध किया जाता है और उक्त प्रधिनियम के अर्धान प्रयुक्त रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्न रहहा जाएगा।
- (2) भारत में फिनाइल मरकरी का एमाउँट का प्रयोग 1 कनवरी, 1993 से प्रतिषिद्ध किया जाता है।

परन्तु केवल नियति के प्रयोजन के लिए देश में फिनायल मरकरी एसीटेट का उत्पादन किया जाता रहेगा। 1 जनवरी, 1993 को यथा विधमान भ्रमुप्युक्त स्टाक का और पश्चातवर्ती उत्पादी का, यदि कोई हो, प्रयोग केवल निर्यात के प्रयाजन के लिए किया जाएगा तथा यह रजिन्द्रोकरण प्रमाणपत्न मे इस प्राथय के उपान्तरणों के प्रक्रीन रहते हुए होगा।

- (3) ग्रन्तरग प्रयोग के लिए धुआ पैदा करने वाले लिण्डेन सुत्रयोग का प्रयोग भारत से प्रतिविद्ध किया जाता है, परन्तु खेती फमलों के कीटो/नागवजीवों के नियद्वणार्थ प्रयोग के लिए देश में लिण्डेन का उत्पादन जारो रखा जा सकेगा और यह रजिस्ट्रीकरण-प्रमाणपत्न से इस भाशय के उपान्तरणों के भशीन रहते हुए होगा ;
 - (4) मिथाइस पैराथियोन के प्रयोग करने की धनुमति केवल उन्हीं फसलो के लिए होगी जहा मध्मनिकायो परागणकारियों के रूप में कार्यन कर रही हो और देश में झन्य फसलों के प्रयोग के लिए मिथाइल पैरायियीन का उत्पादन जारो रखा जा सकेगा तथा रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणपक्ष में इस घाराय के उपान्तण के भवीन रहते हुए होगा ।

[सं. 17-21/92-पी.पी.-I] इन्द्रजीत सिंह मल्ही, संयक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th September, 1992

S.O. 658(E).—Whereas the Central Government had set up an Expert Committee with a view to investigate as to whether the continued use of certain insecticides in India shall involve such risks to human beings or animals as to render it expedient or necessary to take immediate action;

And whereas the Central Government, after considering the recommendation of the said Expert Committee and after consultation with Registration Committee set-up under the Insecticides Act, 1908 (46 of 1968), is satisfied that the use of Paraquat-Di-methyl Sulphate, Phenyl Mercury Acetate and Lindane formulation generating smoke for indoor use involving health hazards to human beings, animals and damage to the environment,

Now, therefore, in exercise of the Power conferred by sub-section (2) of the section 27 read with section 28 of the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), the Central Government hereby makes the following order with immediate effect, namely:—

- (i) the use of Paraquat-di-methyl Sulphate is prohibited in India and the Certificate of Registration used under the said Act shall stand cancelled;
- (ii) the use of Phenyl Mercury Acctate (PMA) is prohibited in India; with effect from 1st January, 1993.

Provided that Phenyl Mercury Acetate may be continued to be produced in the country only for export purpose. The non-consumed stock as on 1st January, 1993 and subsequent productions, if any, shall be used for export purpose only and shall be subject to the modifications in the certificate of registration to this effect;

- (iii) the use of Lindane formulation generating smoke for indoor use is prohibited in India, provided that Lindane may be continued to be produced in the country for use for the control of insect pests of field crops and subject to the modification in the certificate of registration to this effect;
- (iv) the use of Methyl Parathion be permitted only on those crops where honey bees are not acting as a pollinators and Methyl Parathion may be continued to be produced in the country for use in other crops and subject to the prodification in the certificate of registration to this effect.

[No. 17-21/92-PPI]
I. S. MALHI, Jt. Seey.